एशिया में पेट्रोलियम के वितरण तथा उत्पादन का वर्णन कीजिए। (Discuss the distribution and production of Petroleum in Asia).

पेट्रोलियम आज विश्व का सबसे महत्व पूर्ण शक्ति संसाधन है। इसका उपयोग पेट्रोल, किरासन तेल, डीजल तथा गैसोलीन (ईंधन के रूप में) बनाने मोम वैसलीन, ग्रीस (चिकनाई), पैराफीन ट्यूब, टायर तथा कृत्रिम रेशे तैयार करने में किया जाता है। इस के आर्थिक एवं औद्योगिक महत्व के कारण तरल सोना (Liquid Gold) भी कहते हैं। आज ओपेक देश भारी मात्रा में पेट्रोलियम के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं, इसी लिये इस मुद्रा को पेट्रो-डालर भी कहते हैं।

पेट्रोलियम शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के पेट्रा (Petra) + ओलियम (Oleum) से हुआ है जिस का अर्थ चट्टान का तेल अथवा खनिज तेल होता है। इसकी उत्पत्ति करोड़ वर्ष पूर्व जीव जंतुओं तथा वनस्पति चट्टानों के बीच दब जाने एवं रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा होती है। यह खनिज परतदार चट्टानों के बीच स्थित द्रोणी एवं संरचियों में पाया जाता है।

एशिया में पेट्रोलियम उत्पादन का इतिहास -

एशिया में सर्वप्रथम पेट्रोलियम की खोज भारत के असम में डिगबोई नामक स्थान पर 1901 में हुई। ईरान में 1908 तथा कुवैत में 1938 में खोजा गया। लीबिया एवं अरब में पेट्रोलियम की खोज 1948 में की गयी। आज एशिया का सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक महादेश है यहाँ विश्व का लगभग 65% पेट्रोलियम एशियाई देशों से निकाला जा

MI NOTE 8 PRO
IAD CAMERA

... में पेट्रोलियम के ... the distribution

5. कुवैत - सऊदी अरब तथा ईराक के बाद कुवैत में सबसे अधिक सुरक्षित तेल का भण्डार है। बरगन, अलअहरा, मगब यहाँ के मुख्य तेल उत्पादक क्षेत्र हैं। 'बरगन' यहाँ का सबसे प्रमुख तेल उत्पादन क्षेत्र है। मीन अल अहमदी यहाँ का प्रमुख तेल शोधन केन्द्र है।

6. कतर - मध्य-पूर्व के देशों में कतर एक महत्वपूर्ण देश है। दुखन तेल क्षेत्र- यहाँ का सबसे बड़ा तेल उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ तेल निकालने के लगभग 24 कुँए हैं। दोहा में तेल शोधन कारखाना है।

7. इंडोनेशिया - यह दक्षिणी-पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। सुमात्रा, जावा और कालीमंटन में प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र हैं। सुमात्रा में मेदन तथा सावाग तेल शोधक केन्द्र हैं।

हाल के दशकों में एशिया के कई नयी क्षेत्रों में खनिज-तेल के भण्डार मिले हैं। कजाकिस्तान उज्बेकिस्तान, भारत तथा बंगलादेश के कई नये तेल क्षेत्र मिले हैं। लेकिन विश्व में बढ़ती माँग और उत्पादन के कारण पुराने तेल क्षेत्रों में तेल उत्पादन में कमी आयी है। अगर समय रहते ऊर्जा के विकल्प स्रोतों की खोज नहीं हो पायी तो यहाँ ऊर्जा संकट की आसन्न भविष्य में समस्या उत्पन्न होगी।

रहा है। इस महादेश के द० पश्चिमी भाग जिसे मध्य पूर्व या खाड़ी देश के नाम से जाना जाता है ये सर्वाधिक पेट्रोलियम उत्पादन करते हैं। ताजे सर्वेक्षणों में स० अरब आज भी इस प्रदेश का सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक देश है। दूसरे एवं तीसरे स्थान पर ईराक एवं ईरान का स्थान आता है हालके वर्षों में चीन ने भी पेट्रोलियम के उत्पादन में अप्रत्याशित विकास किया है

देश	उत्पादन (bbl/day)
स० अरब	12,000,000
ईराक	4,000,000
ईरान	3,990 956
चीन	3,980 650
यू०अ०अमीरात	3,106,077
कतर	2 923,825
ओमान	1522 902

ओपेक रिपोर्ट-2019.

एशिया के प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक देश - एशिया में सबसे महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उत्पादक देश मध्य पूर्व में हैं। यहां मुख्य रूप से सऊदी अरब ईराक ईरान यू०अ०ई०, कतर ओमान कुवैत, बहरीन, तर्की आदि देशों में पेट्रोलियम बड़े पैमाने पर उत्पन्न किये जाते हैं। मध्य पूर्व के देशों के अलावा इंडोनेशिया, चीन, ब्रूनई, मलेशिया, म्यांमार एवं भारत का नाम आता है इनके अलावा इजरायल, सीरिया में भी पेट्रोलियम का उत्पादन होता है.

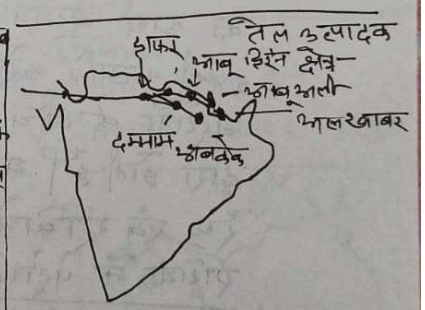

1. सऊदी अरब - यह विश्व का दूसरा और एशिया का सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक देश है यहाँ लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है अलखाबर, अबकेक, डाफर, दम्माम, सफानिया कातिफ, आबू हिरे आबूअली तथा शेदगम यहाँ के प्रमुख तेल क्षेत्र हैं उत्पादित खनिज तेल को हैफा एवं बहरीन द्वीप को भेजा जाता है

2. ईराक - यह एशिया महादेश का दूसरा और विश्व का चौथा बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक देश है यहाँ 1908 में नफत खानेह में पेट्रोलियम

निकालने का काम प्रारम्भ हुआ यहाँ पेट्रोलियम निकालने में फ्रांसीसी अमेरिकी तथा डच कम्पानियाँ लगी हुई हैं। यहाँ पेट्रोलियम के क्षेत्र उत्तरी-पूर्वी ईराक में हैं। ऐनजलेह, मोसल, किरकुक, जम्बूर, नफ्त खानेह जुबैर, रुमेला और बसरा मुख्य पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र हैं।

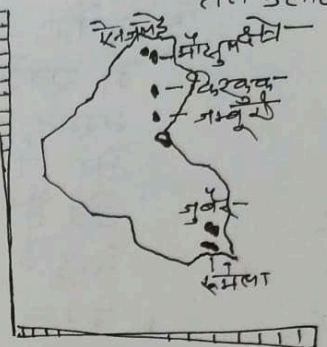

3. ईरान – यह एशिया का तीसरा तथा विश्व का पाँचवां बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक देश है। यहाँ पेट्रोलियम निकालने का काम फ्रांस, नीदरलैण्ड, ब्रिटेन, सं०रा०अमेरिका की कम्पानियाँ इस कार्य में लगी हैं। आगाजारी, मस्जिदे सुलेमान, हफ्तकेल, गाचसरन, नफ्त खानाह, लाली तथा रामाशिर ईरान के मुख्य तेल क्षेत्र हैं। आबादान एवं करमनशाह यहाँ के दो मुख्य तेल शोधन संस्थान हैं।

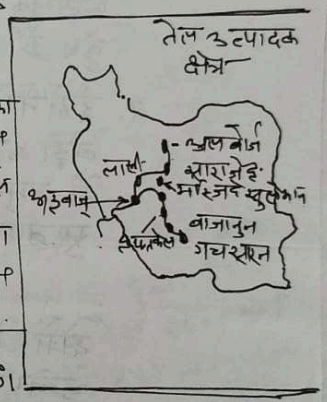

4. चीन – एशिया का चौथा बड़ा पेट्रोलियम उत्पादक देश है। यहाँ विश्व का लगभग 4% पेट्रोलियम उत्पादन करता है। यहाँ का अधिकांश उत्पादन जुंगेरिया बेसिन में हो रहा है। इसके अलावा चेचवान बेसिन, सैदाम बेसिन, सीन्यांग बेसिन में भी तेल क्षेत्र फैले हैं। हाल में चीन ने ऊर्जा की आवश्यकता को देखते हुए नये क्षेत्रों में पेट्रोलियम के कुँए की खोज की है।